दैनिक भास्कर
05-Feb-2019
पटना Page 7

सड़क सुरक्षा सप्ताह • मंत्री बोले- सड़क हादसे रोकने के लिए सबको होना होगा जागरूक

एक साल में दो हजार ड्राइवरों को मुफ्त मिलेगी भारी वाहन चलाने की ट्रेनिंग

सिटी रिपोर्टर | पटना

सड़क दुर्घटना के आंकड़े चिंताजनक हैं। सरकार इसे रोकने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, लेकिन हादसे तभी रुकेंगे जब समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता होगी। 10 फरवरी तक चलने वाले 30वें सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान राज्यभर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा। ये बातें सोमवार को अधिवेशन भवन में सड़क सुरक्षा सप्ताह के शुभारंभ के मौके पर परिवहन मंत्री संतोष कुमार निराला ने कहीं। कार्यक्रम में बिहार सड़क सुरक्षा परिषद के लोगो का लोकार्पण भी किया गया। मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए ही परिवहन विभाग एक वर्ष में दो हजार ड्राइवरों को हेवी व्हीकल्स की ट्रेनिंग निःशुल्क देने जा रहा है। ड्राइवरों की नेत्र जांच को लेकर बड़ा अभियान चलाया जाएगा। सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019 की थीम-सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा है।

नियमों का पालन कर खुद व परिवार की करें सुरक्षा

डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर खुद और अपने परिवार की सुरक्षा कर सकते हैं। सुरक्षा नियमों के प्रति स्वयं को जागरूक करना होगा। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि विभाग द्वारा सप्ताह में दो दिन पूरे राज्य में हेलमेट व सीट बेल्ट की जांच का अभियान चलाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य इसके प्रति लोगों को जागरूक करना है। पटना के मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे रेड लाइट जंपिंग, जेबरा क्रॉसिंग, हेलमेट आदि की निगरानी की जाती है। नियम तोड़ने वालों को उनके घर कंप्यूटर जनित चालान भेजा जाता है। दूसरे जिलों में भी हेलमेट पहनने की आदत लोगों में बने इसके लिए विशेष रूप से अभियान चलाए जाएंगे। इस सप्ताह राज्यभर में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। बस स्टैंड जैसी जगहों पर नेत्र जांच शिविर लगाए जा रहे हैं।

सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा

सड़क सुरक्षा सप्ताह पर आयोजित कार्यक्रम में सीमा त्रिपाठी, संजय अग्रवाल, मंत्री संतोष कुमार निराला, व्यासजी।

दूर करनी होगी ट्रेंड ड्राइवरों की कमी : व्यासजी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व्यासजी ने कहा कि सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए इससे जुड़े सभी लोगों, संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। ट्रांसपोर्ट से जुड़े यूनियनों का जागरुकता में बड़ा योगदान है। बिहार में ट्रेंड ड्राइवरों की काफी कमी है। इसे दूर करने की जरूरत है। सीआईडी के एडीजी विनय कुमार ने कहा कि राज्य में हर वर्ष 6 हजार 700 मौतें सड़क दुर्घटना में हो रही हैं। वहीं करीब ढाई हजार हत्याएं एक वर्ष में हुई। कार्यक्रम में राज्य परिवहन आयुक्त सीमा त्रिपाठी, आपदा प्राधिकरण के सदस्य डॉ. यूके मिश्रा, सदस्य पीएन राय, डीडीजी एनसीसी तुषार मिश्रा, होमगार्ड डीजी प्रवीण कुमार, एम्स के निदेशक डॉ. प्रभात कुमार, प्रमंडलीय आयुक्त आरएल चोंग्थू ने भी बातें रखीं।

ये मददगार किए गए सम्मानित : कार्यक्रम में राज्य स्तर पर गुड सेमेरिटन निवास यादव व फैयाज हुसैन खां को सम्मानित किया गया। रक्तदान के लिए मुकेश हिसारिया व मुकेश पंजियार को सम्मानित किया गया। राघवेंद्र कुमार सिंह, एम्स की डॉक्टर वीणा सिंह, ट्रैफिक महिला पुलिसकर्मी व एनसीसी कैडेट्स को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया।

साइकिल रैली के साथ सड़क सुरक्षा सप्ताह की हुई शुरुआत

पटना | बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सोमवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019 का शुभारंभ किया। 30वें 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' के पहले दिन बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कम्युनिटी ट्रैफिक पुलिस, भारतीय स्टेट बैंक तथा अन्य सहयोग से साइकिल रैली निकाल आगाज किया गया। इसे प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व्यास जी व सदस्य पीएन राय ने हरी झंडी दिखाई। साइकिल रैली का नेतृत्व प्राधिकरण की वरीय तकनीकी सहायक सुम्बुल अफ्रोज और संचालन नोडल पदाधिकारी डॉ. जीवन कुमार ने किया।